18. आजादी में जीवन

मैना- सुग्गा पिंजरे में
हों बंद, दुखी हो जाते,
सुख-सुविधा, मनचाहा भोजन
फिर भी चहक न पाते।

चिड़ियाघर में कैद शेर
हरदम दहाड़ गुर्राता,
वहाँ गुलामी का वह जीवन
उसको रास न आता।

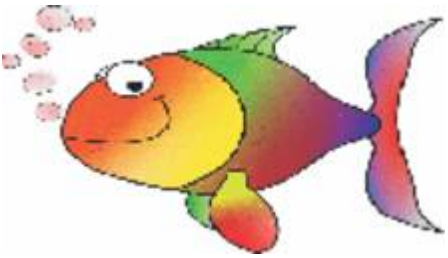

मछली जल में मचला करती
जल प्राणों से प्यारा,
जल से बाहर रहकर जीना
उसको नहीं गवारा।

मुसकाती कलियों को है
फूलों की डाली प्यारी,
अगर तोड़ लेता कोई
तो गुरझाती बेचारी।

सबको अपना घर प्यारा है
आजादी है प्यारी,
आजादी में जीवन है
जीवन की खुशियाँ सारी।

—भगवती प्रसाद द्विवेदी

शब्दार्थ		
हरदम	–	हमेशा
मनचाहा	–	मन जैसा चाहे
रास न आना	–	अच्छा नहीं लगना।
गवारा	–	स्वीकार

अभ्यास

बातचीत के लिए

1. चिड़ियाघर में कौन-कौन से पशु-पक्षियों को रखा जाता है ?
2. चिड़ियाघर में पशु-पक्षियों के रहने एवं खाने-पीने की व्यवस्था कैसे की जाती है?
3. पालतू पशुओं को जंगल में एवं जंगली पशुओं को घर में रखा जाए तो क्या होगा?
4. जलीय जंतुओं को यदि स्थल पर रखा जाय तो उन्हें क्या-क्या कठिनाइयाँ आ सकती हैं?
5. हम किन-किन पक्षियों को पालते हैं और क्यों ?

आपकी समझ से

1. पत्येक पशु-पक्षी आज़ाद रहना चाहता है लेकिन इंसान कई पशु-पक्षियों को कैद करके रखते हैं? आपके अनुसार क्या यह उचित है?
2. आपको अपना घर क्यों प्यारा लगता है?
3. मनचाहा भोजन, कपड़े, खिलौने आदि न मिलने पर आप क्या करते हैं?
4. पशु-पक्षी स्वतंत्रतापूर्वक रह सकें इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

आज़ादी की बातें

1. आपके लिए आज़ादी के क्या-क्या मतलब हैं ? (✓) लगाइए –

- अपनी बात जी भरकर कहना ☐
- किसी को कुछ भी कहना ☐
- छुट्टी का दिन । ☐
- लड्डू खाने का दिन । ☐
- मनपसंद कहानी पढ़ना । ☐

2. बताइए, आज़ादी का क्या मतलब होगा ?

- चिड़िया के लिए.....
- शेर के लिए.....
- मछली के लिए.....
- आपकी बहन के लिए.....
- आपके भाई के लिए.....

3. आपने अपने आस-पास ऐसा ज़रूर देखा होगा –

- रंग-बिरंगी चिड़ियों को पिंजरे में कैद करके उन्हें बेचना।
- घरों में तोते एवं मछलियों को पालना ।

(क) क्या आपको यह सही लगता है ? क्यों ?

(ख) पशु-पक्षी कैद में रहते हुए कैसा महसूस करते होंगे ?

(ग) अगर आपको कोई कैद करके रखे तो आपको कैसा लगेगा ?

कविता में से

1. कलियाँ कब मुस्कातीं और कब मुरझा जातीं हैं ?
2. तोता-मैना पिंजरे में मनचाहा भोजन मिलने के बाद भी खुश क्यों नहीं रह पाते ?
3. शेर चिड़ियाघर में क्यों नहीं रहना चाहता?
4. **कविता के दिए गए अंश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प के आगे सही चिह्न (✓) लगाइए -**

मैना-सुग्गा पिंजरे में
हो बंद, दुखी हो जाते,
सुख-सुविधा, मनचाहा भोजन
फिर भी चहक न पाते ।
चिड़ियाघर में कैद शेर
हरदम दहाड़ गुर्राता,
वहाँ गुलामी का वह जीवन
उसको रास न आता ।

(क) चिड़ियाघर को गुलामी का जीवन कहा गया है, क्योंकि
- वहाँ काम करना पड़ता है । ☐
- वहाँ खाने को नहीं मिलता । ☐
- वहाँ अपनी मर्ज़ी से घूम-फिर नहीं सकते । ☐

(ख) चिड़ियाघर में कैद शेर क्या करता है ?
- पिंजरे को तोड़ता है । ☐
- दहाड़ते-गुर्राते हुए कैद से आज़ाद होना चाहता है । ☐
- सारा दिन परेशान करता है । ☐

(ग) मैना-तोता पिंजरे में दुखी हो जाते हैं, क्योंकि -
- वे आकाश में उड़ना चाहते हैं । ☐
- उन्हें पिंजरे में अच्छा भोजन नहीं मिलता । ☐
- वे पिंजरे में चहक नहीं सकते । ☐

(घ) प्राणियों को सबसे ज्यादा क्या अच्छा लगता है ?

- मनचाहा भोजन ☐
- आज़ादी ☐
- सुख-सुविधाएँ ☐

(ङ) कवि कहना चाहता है कि –

- चिड़ियाघर खराब जगह है । ☐
- पशु-पक्षियों को सुख से रखना चाहिए । ☐
- आज़ादी में खुशी होती है । ☐

5. दी गई पंक्तियों को पढ़ें एवं बताएँ कि वे पंक्तियाँ किनके लिए कही गई हैं –

(क) सुख-सुविधा मनचाहा भोजन फिर भी चहक न पाते।

(ख) वहाँ गुलामी का वह जीवन उसको रास न आता।

(ग) जल से बाहर रहकर जीना, उसको नहीं गवारा।

(घ) फूलों की डाली प्यारी।

6. नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं इनके लिए कविता में से उपयुक्त पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए –

शीर्षक की बात

1. कविता के दो अन्य शीर्षक बताइए ।

   (क) ---------- (ख) ----------

2. यह भी बताइए कि आप ये शीर्षक क्यों चुने ?

भाषा के नियम

1. इनका मतलब समझाइए–

(क) रास न आना

(ख) गवारा न होना

(ग) चहक न पाना

2. नीचे दिए गए वाक्यों के वचन बदलकर उन्हें दुबारा लिखिए –

(क) तोता पिंजरे में कैद था ।

.....

(ख) मछली जल में मचलती है ।

.....

(ग) शेर हरदम गुर्राता–दहाड़ता है ।

.....

(घ) फूल को मत तोड़ो ।

.....

3. जीवन शब्द से कई नए शब्द बन सकते हैं, जैसे –

जीवनी, जैव, जैविक, जीवनदान इत्यादि ।

आप नीचे दिए गए शब्दों से नए शब्द बनाइए –

(क) दिन – ----------

(ख) धन – ----------

रंगों की दुनिया

कविता में जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा हो उसका एक चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए। आप चाहें तो अपनी एक छोटी-सी कविता भी लिख सकते हैं–